भी इस सम्बंध में निर्देश जारी करे जिससे किसानों को इन बीमारियों से जो हानि होती है, उनका समय पर ही इलाज किया जा सके । यदि भारत सरकार इस सम्बंध में बागवानों की रक्षा के लिए मदद न दे सकी तो किसानों की आर्थिक स्थिति काफी बेकार हो जायेगी तथा उनके बालबच्चों का पालन-पोषण होना काफी मुश्किल हो जायेगा ।

अत : मैं कृषि मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि इस संबंध में जल्द से जल्द किसानों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाये तथा बगीचों में लगे फलों को जो बीमारी लग जाती है, उसको भी दूर करने के उपाय किए जायें जिससे कि किसानों की आर्थिक स्थिति सुधर सके ।

(ii) Incidents in Jawahar Lal University

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) : सभापति महोदय, सर्वप्रथम मैं आपसे आग्रह करूंगा और आपके मध्यम से चाहूंगा कि आप स्पीकर साहब तक मेरी भावनाओं को पहुंचा दें । आपके इस लोक-सभा सैक्रेटेरिएट में मेम्बर्स के लिए ट्रांसलेशन की कोई सुविधा नहीं है । यदि कोई मेम्बर अंग्रेजी से हिन्दी में या हिन्दी से अंग्रेजी में किसी चीज का अनुवाद करवाना चाहता है तो उसके लिए कोई सुविधा नहीं है । मेरे जैसे लोगों को इस बारे में बहुत दिक्कत होती है । मैंने लिखकर भी दिया है और आपके नोटिस में लाना चाहता हूं कि आप इस पर गंभीरता से ध्यान दें ।

MR. CHAIRMAN: It has come on record.

श्री राम विलास पासवान : इनका ट्रांसलेशन सैक्शन अनेक्सी में है जो सिर्फ आफिस परपजेज के लिए है, मेम्बर्स के लिए नहीं है । मैं समझता हूं कि इसको आप गंभीरता से लेंगे ।

नियम 377 के अधीन जिस विषय की ओर मैं सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं उस बारे में मेरी स्पीकर साहब से बातचीत हुई थी । यह गंभीर मामला है, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी के बारे में है । स्पीकर साहब ने कहा था कि यहां मंत्री महोदय मोजूद रहेंगे और मंत्री जी का जवाब भी होगा, लेकिन पता नहीं क्यों और क्या क्या हुआ है ? इसीलिए कल इसको रोककर भी रखा गया था, लेकिन आज भी मैं किसी मंत्री को यहां नहीं देख रहा हूं । आप इसका भी मंत्री महोदय से जवाब दिलवाने की कोशिश करें ।

सभापति महोदय : आपने जो फरमाया अपका रिकार्ड हो गया है, अब आप आगे बढ़िये ।

श्री राम विलास पासवान : स्पीकर साहब का एश्योरेंस है, इसलिए मैंने ध्यान दिलाया । सभापति महोदय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस के प्राध्यापक द्वारा अनुसूचित जाति के छात्रों के साथ कथित अभद्र व्यवहार करने के प्रश्न को लेकर विश्वविद्यालय के सभी छात्र विगत 3 फरवरी, 1983 से ही आन्दोलन पर हैं। छात्रों की मांगें हैं कि उक्त प्राध्यापक को निलंबित किया जाये । छात्रों ने उक्त प्राध्यापक के खिलाफ कोई गंभीर आरोप लगाये हैं ।

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना बड़े आदर्शों को लेकर की गई थी । विश्वविद्यालय के संस्थापकों ने यह माना था कि यह विश्वविद्यालय जाति, धर्म आदि संकीर्णसे भावनाओं से ऊपर रहेगा, लेकिन खेद है कि यह विश्वविद्यालय भी सभी तरह के रोग से